वर्ष 17 अंक 50 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रू0 कानपुर, सोमवार 20 फरवरी 2023

कानपुर व औरैया से एक साथ प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी,ऐटा, हरदोई, उन्नाव,कानपुर देहात में प्रसारित

RNI N.UPHIN/2007/27090

दैनिक नगर छाया

आप की आवाज़.....

www.nagarchhaya.com

भारत ने दूसरा टेस्ट छह विकेट से जीता

उर्द-मूंग उत्पादन तकनीक पर हुआ एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर बिजेंद्र सिंह के निर्देश के क्रम में आज विश्वविद्यालय के दलहन अनुभाग द्वारा ग्राम बैरी विकासखंड शिवराजपुर में एक जायद दलहन गोष्ठी आयोजित की गई। इस अवसर पर मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने किसानों को फसल बुवाई पूर्व मृदा परीक्षण के बारीकियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। दलहन वैज्ञानिक डॉ मनोज कटियार ने दलहन फसलों जैसे-मूंग, उर्द आदि की उन्नतशील प्रजातियों के बारे में विस्तार से किसानों को बताया। उन्होंने मूंग की उन्नतशील प्रजातियां श्वेता, विराट, शिखा, आई पी एम 2-3,कनिका,एवं उर्द की शेखर-1,शेखर-2,आई पी यू 13-1,आई पी यू 11-2 आदि के बारे में किसानों को जानकारी दी। इस अवसर पर उप निदेशक बीज प्रमाणीकरण संस्था कानपुर डॉ. मुख्तयार सिंह ने किसान भाइयों को बीज उत्पादन तकनीक एवं बीज प्रमाणीकरण विधि के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दलहनी फसलों में जैव उर्वरकों के प्रयोग करने से पचीस प्रतिशत तक वृद्धि होती है। इस अवसर पर डॉ अरविंद कुमार श्रीवास्तव ने उर्द एवं मूंग फसलों में लगने वाले कीट एवं रोग प्रबंधन के बारे में विस्तार से जानकारी दी।तथा किसानों द्वारा पूछे के विभिन्न प्रकार के प्रश्नों का उत्तर दिया। शस्य विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ डी डी यादव ने किसानों को उर्वरक प्रबंधन के विषय में बताया। उन्होंने कहा कि किसान भाई हमेशा दलहनी फसलों में संतुलित उर्वरक प्रबंधन अवश्य करें। डॉक्टर हरिश्चंद्र ने खाद्यान्न फसलों के बारे

में किसानों को जानकारी से अवगत कराया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम के प्रेम चंद्र जी ने की। जबकि मुख्य अतिथि उपनिदेशक बीज प्रमाणीकरण संस्था कानपुर डॉक्टर मुख्तियार सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित कार्यक्रम अध्यक्ष ने किसानों से अपील की है।कि वे वैज्ञानिकों द्वारा बताई गई तकनीकों को अपनाएं जिससे हुए अपनी आय में बढ़ोतरी कर सकें।कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ खलील खान द्वारा किया गया। इस अवसर परओम प्रकाश, विक्रमाजीत सिंह,अनुराग त्रिपाठी, दिनेश। एवं सौरभ कटियार सहित क्षेत्र के 1 सैकड़ा से अधिक किसानों ने प्रतिभाग किया।

देश का विश्वसनीय अखबार
दैनिक भास्कर
लखनऊ | वर्ष-07, अंक-138 | सोमवार, 20 फरवरी 2023 | कुल पृष्ठ 12 | मूल्य 3.00 रुपये
झांसी, नोएडा, लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित
स्कूल छोड़ चुके बच्चों को वापस स्कूल लाने के लिए चलेगा अ

उर्द-मूंग उत्पादन तकनीक पर हुआ प्रशिक्षण

भास्कर ब्यूरो

कानपुर। सीएसए के दलहन अनुभाग द्वारा ग्राम बैरी विकासखंड शिवराजपुर में जायद दलहन गोष्ठी आयोजित की गई। इस अवसर पर मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने किसानों को फसल बुवाई पूर्व मृदा परीक्षण के बारीकियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। दलहन वैज्ञानिक डॉ मनोज कटियार ने दलहन फसलों जैसे-मूंग, उर्द आदि की उन्नतशील प्रजातियों के बारे में विस्तार से किसानों को बताया। उन्होंने मूंग की उन्नतशील प्रजातियां श्वेता, विराट, शिखा, आई पी एम 2-3,कनिका,एवं उर्द की शेखर-1,शेखर-2,आई पी यू 13-1,आई पी यू 11-2 आदि के बारे में किसानों को जानकारी दी। इस अवसर पर उप निदेशक बीज प्रमाणीकरण संस्था कानपुर डॉ. मुख्तयार सिंह ने किसान भाइयों को बीज उत्पादन तकनीक एवं बीज प्रमाणीकरण विधि के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दलहनी फसलों में जैव उर्वरकों के प्रयोग करने से पचीस प्रतिशत तक वृद्धि होती है। इस अवसर पर डॉ अरविंद कुमार श्रीवास्तव ने उर्द एवं मूंग फसलों में लगने वाले कीट एवं रोग प्रबंधन के बारे में विस्तार से जानकारी दी।तथा किसानों द्वारा पूछे के विभिन्न प्रकार के प्रश्नों का उत्तर दिया।

शस्य विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ डी डी यादव ने किसानों को उर्वरक प्रबंधन के विषय में बताया। उन्होंने कहा कि किसान भाई हमेशा दलहनी फसलों में संतुलित उर्वरक प्रबंधन अवश्य करें। डॉक्टर हरिश्चंद्र ने खाद्यान्न फसलों के बारे में किसानों को जानकारी से अवगत कराया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम के प्रेम चंद्र जी ने की। जबकि मुख्य अतिथि उपनिदेशक बीज प्रमाणीकरण संस्था कानपुर डॉक्टर मुख्तियार सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित कार्यक्रम अध्यक्ष ने किसानों से अपील की है।कि वे वैज्ञानिकों द्वारा बताई गई तकनीकों को अपनाएं जिससे हुए अपनी आय में बढ़ोतरी कर सकें।कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ खलील खान द्वारा किया गया। इस अवसर परओम प्रकाश, विक्रमाजीत सिंह,अनुराग त्रिपाठी, दिनेश। एवं सौरभ कटियार सहित क्षेत्र के 1 सैकड़ा से अधिक किसानों ने प्रतिभाग किया।

राष्ट्र रक्षा के लिए सशक्त सेना: पीएम मोदी 12

महाशिवरात्रि के बाद मणिकर्णिका घाट पर... 10

जन एक्सप्रेस

लखनऊ वर्ष: 14 | अंक: 130 | मूल्य: ₹3.00/- | पेज: 12 सोमवार | 20 फरवरी, 2023

@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper

मृदा परीक्षण के लिए किसानों को किया जागरूक

जन एक्सप्रेस, कानपुर नगर।

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के दलहन अनुभाग द्वारा बीते दिन रविवार को ग्राम बैरी विकासखंड शिवराजपुर में एक जायद दलहन गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मृदा वैज्ञानिक डॉ. खलील खान ने किसानों को फसल बुवाई से पहले मृदा परीक्षण के बारे में बताया। दलहन वैज्ञानिक डॉ.मनोज कटियार ने मूंग की उन्नतशील प्रजातियां श्वेता, विराट, शिखा, आई पी एम 2-3, कनिका एवं उर्द की शेखर-1, शेखर-2, आई पी यू 13-1, आई पी यू 11-2 आदि के बारे में किसानों को जानकारी दी। उप निदेशक बीज प्रमाणीकरण संस्था कानपुर डॉ. मुख्तयार सिंह ने कहा कि दलहनी फसलों में जैव उर्वरकों के प्रयोग करने से पचीस प्रतिशत तक वृद्धि होती है। डॉ. अरविंद कुमार श्रीवास्तव ने उर्द एवं मूंग फसलों में लगने वाले कीट एवं रोग प्रबंधन के बारे में जानकारी दी। शस्य विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. डी.डी. यादव ने किसानों को दलहनी फसलों में संतुलित उर्वरक प्रबंधन करने की सलाह दी। गोष्ठी में ओम प्रकाश, विक्रमाजीत सिंह, अनुराग त्रिपाठी, दिनेश, सौरभ कटियार आदि मौजूद रहे।

उर्द-मूंग उत्पादन तकनीक पर हुआ एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर बिजेंद्र सिंह के निर्देश के क्रम में आज विश्वविद्यालय के दलहन अनुभाग द्वारा ग्राम बैरी विकासखंड शिवराजपुर में एक जायद दलहन गोष्ठी आयोजित की गई। इस अवसर पर मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने किसानों को फसल बुवाई पूर्व मृदा परीक्षण के बारीकियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। दलहन वैज्ञानिक डॉ मनोज कटियार ने दलहन फसलों जैसे-मूंग, उर्द आदि की उन्नतशील प्रजातियों के बारे में विस्तार से किसानों को बताया। उन्होंने मूंग की उन्नतशील प्रजातियां श्वेता, विराट, शिखा, आई पी एम 2-3,कनिका,एवं उर्द की शेखर-1,शेखर-2,आई पी यू 13-1,आई पी यू 11-2 आदि के बारे में किसानों को जानकारी दी। इस अवसर पर उप निदेशक बीज प्रमाणीकरण संस्था कानपुर डॉ. मुख्तयार सिंह ने किसान भाइयों को बीज उत्पादन तकनीक एवं बीज प्रमाणीकरण विधि के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दलहनी फसलों में जैव उर्वरकों के प्रयोग करने से पचीस प्रतिशत तक वृद्धि होती है। इस अवसर पर डॉ अरविंद कुमार श्रीवास्तव ने उर्द एवं मूंग फसलों में लगने वाले कीट एवं रोग प्रबंधन के बारे में विस्तार से जानकारी दी।तथा किसानों द्वारा पूछे के विभिन्न प्रकार के प्रश्नों का उत्तर दिया। शस्य विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ डी डी यादव ने किसानों को उर्वरक प्रबंधन के विषय में बताया। उन्होंने कहा कि किसान भाई हमेशा दलहनी फसलों में संतुलित उर्वरक प्रबंधन अवश्य करें। डॉक्टर हरिश्चंद्र ने खाद्यान्न फसलों के बारे में किसानों को जानकारी से अवगत कराया। कार्य म की अध्यक्षता ग्राम के प्रेम चंद्र जी ने की। जबकि मुख्य अतिथि उपनिदेशक बीज प्रमाणीकरण संस्था कानपुर डॉक्टर मुख्तियार सिंह उपस्थित रहे। कार्य म में उपस्थित कार्य म अध्यक्ष ने किसानों से अपील की है।कि वे वैज्ञानिकों द्वारा बताई गई तकनीकों को अपनाएं जिससे हुए अपनी आय में बढ़ोतरी कर सकें।कार्य म का सफल संचालन डॉ खलील खान द्वारा किया गया। इस अवसर परओम प्रकाश, वि माजीत सिंह,अनुराग त्रिपाठी, दिनेश। एवं सौरभ कटियार सहित क्षेत्र के 1 सैकड़ा से अधिक किसानों ने प्रतिभाग किया

मूंग, उर्द की उन्नतशील प्रजातियों के बारे में किसानों को दी जानकारियां

दलहन गोष्ठी में तकनीक एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण का आयोजन

कानपुर, 19 फरवरी। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ बिजेंद्र सिंह के निर्देश के क्रम में आज विश्वविद्यालय के दलहन अनुभाग द्वारा ग्राम बैरी विकासखंड शिवराजपुर में एक जायद दलहन गोष्ठी आयोजित की गई। मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने किसानों को फसल बुवाई पूर्व मृदा परीक्षण के बारीकियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। दलहन वैज्ञानिक डॉ मनोज कटियार ने दलहन फसलों जैसे-मूंग, उर्द आदि की उन्नतशील प्रजातियों के बारे में विस्तार से किसानों को बताया। उन्होंने मूंग की उन्नतशील प्रजातियां श्वेता, विराट, शिखा, आई पी एम 2-3,कनिका,एवं उर्द की शेखर-1,शेखर-2,आई पी यू 13-1,आई पी यू 11-2 आदि के बारे में किसानों को जानकारी दी। इस अवसर पर उप निदेशक बीज प्रमाणीकरण संस्था कानपुर डॉ. मुख्तयार सिंह ने किसान भाइयों को बीज उत्पादन तकनीक एवं बीज प्रमाणीकरण विधि के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दलहनी फसलों में जैव उर्वरकों के प्रयोग करने से पचीस प्रतिशत तक वृद्धि होती है। इस अवसर पर डॉ अरविंद कुमार श्रीवास्तव ने उर्द एवं मूंग फसलों में लगने वाले कीट एवं रोग प्रबंधन के बारे में विस्तार से जानकारी दी तथा किसानों द्वारा पूछे के विभिन्न प्रकार के प्रश्नों का उत्तर दिया। शस्य विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ डी. डी. यादव ने किसानों को उर्वरक प्रबंधन के विषय में बताया। उन्होंने कहा कि किसान भाई हमेशा दलहनी फसलों में संतुलित उर्वरक प्रबंधन अवश्य करें। डॉ हरिश्चंद्र ने खाद्यान्न फसलों के बारे में किसानों को जानकारी से अवगत कराया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम के प्रेम चंद्र ने की। जबकि मुख्य अतिथि उपनिदेशक बीज प्रमाणीकरण संस्था कानपुर डॉक्टर मुख्तियार सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित कार्यक्रम अध्यक्ष ने किसानों से अपील की है कि वे वैज्ञानिकों द्वारा बताई गई तकनीकों को अपनाएं जिससे हुए अपनी आय में बढ़ोतरी कर सकें। इस अवसर परओम प्रकाश, विक्रमाजीत सिंह,अनुराग त्रिपाठी, दिनेश। एवं सौरभ कटियार सहित क्षेत्र के 1 सैकड़ा से अधिक किसानों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का संचालन डा खलील खान ने किया।

कार्यक्रम में शामिल मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान व अन्य।